अज्ञात प्राचीन दिगम्बर जैन जिन मन्दिर
ग्राम बहरोज-जिला अलवर

सम्पूर्ण देश में ऐसे हजारों जिन मन्दिर हैं जिनके विषय में जैन समाज को जानकारी ही नहीं है। ऐसे ही 4-5 जिन मन्दिर अरावली पर्वत की श्रंखलाओं के बीच पहाड़ों की तलहटी में जिला अलवर तहसील मुण्डावर में स्थित एक छोटे-से गांव बहरोज जहाँ पाँच गगन चुम्बी शिखर बंध जैन मन्दिर हैं। जिनकी जानकारी आज तक जैन समाज को नहीं थी।

मन्दिरों की जानकारी किस तरह हुई:- पिछले साल परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य परम पूज्य मुनि श्री पावन सागर जी का सन् 2012 में अलवर राजस्थान में चातुर्मास था। उस समय एक लड़का मुनि श्री की वैयावृत्ति करने के लिए मुनि श्री के पास आया उसने मुनि श्री को बताया कि यहाँ से 28 कि.मी. की दूरी पर बहरोज गांव है। वहां पर चार-पांच जैन मन्दिर हैं। लेकिन उनमें कुछ लोग गाय, भैंस, भेड़, बकरी बांधते हैं तथा भूसा भरते हैं। यह मन्दिर, सालों से बिना भगवान के खाली पड़े हैं।

यह सुनकर मुनि श्री को बहुत दुख हुआ तथा मुनि श्री को उन जैन मन्दिरों को देखने की जिज्ञासा हुई इसके लिये मुनि श्री ने एक दो श्रावकों से विशेष रूप से जानकारी देने के लिये कहा तब उन श्रावकों ने सम्पूर्ण जानकारी जुटाकर मुनि श्री को फोटो, वीडियो निकाल कर दिखाया तब मुनि श्री को विश्वास हो गया तब मुनि श्री वहां गये और उन्हे देखकर मुनि श्री का मन प्रफुल्लित हो गया तथा तब मुनि श्री के मन में इन पौराणिक धरोहर, इन जैन मन्दिरों के जीर्णोद्धार का विचार मन में आया तथा उन्होंने इसका प्रयास शुरू कर इस दिशा में कार्य करना शुरू कर दिया तथा उन्होंने इस तीर्थ क्षेत्र को पार्श्वोदय तीर्थ का नाम दिया।

सम्पूर्ण जैन समाज से निवेदन है कि अपनी इस अनमोल पौराणिक धरोहर की तरफ ध्यान देकर मन्दिरों के जीर्णोद्धार करके प्रतिमाओं को स्थापित करके इस और ध्यान दें।

-आदीश जैन